कारकभेदों का समीक्षात्मक अध्ययन

डा. अजय कुमार

''क्रियां करोति निर्वर्तयतीति कारकम्'' अर्थात् जो क्रिया को सम्पन्न करता है या क्रिया का निष्पादन करता है उसे कारक कहते हैं।

''क्रियाजनकत्वं करकत्वम्''। कर्त्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान और अधिकरण– ये 6 कारक कहलाते हैं। इनसे किसी न किसी रूप में क्रिया की निष्पत्ति होती है। संबंध–विभक्ति को कारक नहीं मानते क्योंकि वह क्रिया की निष्पत्ति में अन्यथासिद्ध होती है।